इब्सा के राष्ट्राध्यक्षों/सरकार के प्रमुखों की मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक में प्रधान मंत्री का भाषण

ब्रसीलिया
13 सितम्बर, 2006

केवल तीन वर्ष पहले की बात है, जब हमारे तीन लोकतंत्रों, खुली अर्थव्यवस्थाओं ने एक सर्व निहित समाज के निर्माण के लिए परस्पर जुड़ने का फैसला लिया और इस प्रकार 3 विशाल महाद्वीप एक दूसरे से जुड़ गए। भौगोलिक दूरियों को को पार करते हुए हमारी साझेदारी ने यह बता दिया है कि आज दुनिया एक ऐसा गांव हैं, जिसमें हम सब मिलकर रहते हैं। खुली अर्थव्यवस्था और एक खुले समाज के ढांचे के अंतर्गत विकास के रास्ते पर चलने के हमारे सहयोग की सफलता एशिया, अफ्रीका और लेटिन अमरीका के करोड़ों लोगों को सशक्त बनाने और उनके कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

हम पिछले तीन वर्षों के दौरान **आईबीएसए** फ्रेमवर्क में बढते़ सहयोग को देखकर काफी खुश हैं। भारत का दिल से यह मानना है कि **आईबीएसए** तीन सरकारों की मात्र एक परियोजना के रूप में न रहे बल्कि इससे आगे बढ़े। इसलिए, हम कल आयोजित कारोबारी शिखर बैठक की सफलता से खुश हैं। इस बैठक में तीनों देशों को कारोबारी समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

हम इस त्रिपक्षीय सहयोग पर विचार करें तो इसके फायदे स्पष्ट रूप से नजर आते हैं, उदाहरण के लिए ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग। हमारा सौभाग्य है कि **आईबीएसए** संगठन के पास विशेषज्ञता, ज्ञान और अनुभव का विशाल भंडार है। ब्राजील इथेनॉल के इस्तेमाल में दुनिया में अग्रणी है। दक्षिणी अफ्रीका के पास कोयले को गैस में तब्दील करने की प्रौद्योगिकी हैं और इसके पास सुविकसित सिंथेटिक ईंधन उद्योग है। वहीं दूसरी तरफ भारत को पवन तथा सौर ऊर्जा में विशेषज्ञता हासिल है। **आईबीएसए** के सदस्य देश इन वैकल्पिक ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में एक दूसरे की स्पर्धात्मक ताकत का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईबीएसए देशों के बीच पिछले तीन साल के दौरान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह संतोष का विषय है। हमें **आईबीएसए** देशों के बीच परस्पर व्यापार को 10 अरब डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए दृढ स़ंकल्प के साथ आगे बढऩा है। यह लक्ष्य मार्च, 2004 में नई दिल्ली कार्ययोजना में निर्धारित किया गया था। हम एक व्यापार समझौते की संभावना पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। इस समझौते से भारत **मरकोसर**(एमईआरसीओएसयूआर) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन के साथ जुड़ जाएगा। हमें आशा है कि इससे एक ऐसे विशाल और विस्तारशील व्यापार क्षेत्र का निर्माण होगा, जो व्यापार और प्रौद्योगिकी में तालमेल बैठाने में सक्षम होगा। व्यापार और उदारीकरण के अलावा, हमारी संस्थागत व्यवस्था की एक ऐसी योजना भी है, जो जिंसों, सेवाओं के व्यापार और निवेश को सुविधाजनक बनाने से जुड़े मुद्दों का हल ढूंढेंगी। शुरू में, विनियामक मुद्दों के बारे में सूचना और अनुभवों के आदान-प्रदान और क्षेत्र विशेष के लिए

कार्यशालाओं के आयोजन तथा तकनीकी विनियामकों और अनुरूपता विनियामक प्रक्रियाओं पर सम्मेलनों के लिए एक **आईबीएसए** प्रणाली स्थापित करने का प्रस्ताव है। हम मानकों में तालमेल बैठाने की संभावनाओं पर भी विचार करेंगे।

हम मानते हैं कि परिवहन संपर्क अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम यह भी स्वीकार करते हैं कि परिवहन संपर्क के बारे में तीनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित फ्रेमवर्क को लागू करने में कई चुनौतियां हैं। कनेक्टिविटी समस्या की वजह से व्यापार तथा पर्यटन क्षमता का पूरी तरह से दोहन नहीं हो पा रहा है। वहीं दूसरी तरफ, परिवहन संपर्क कायम करने के लिए न्यूनतम मांग का आधार होना जरूरी है। हममें इस बारे में साहसिक फैसले लेने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। इन फैसलों का आधार, **आईबीएसए** के भविष्य पर हमारा साझा विश्वास होगा।

मैं इस बात से काफी खुश हूं कि मुझे ब्राजील और दक्षिणी अफ्रीका के राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी में तीनों देशों के प्रतिष्ठित कारोबारी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ मिलने का अवसर मिला है। तीनों देशों में सरकार और कारोबारियों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि **आईबीएसए** की क्षमताओं का पूरी तरह दोहन किया जा सके और मुझे पूरा विश्वास है कि सामाजिक तथा आर्थिक गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों में कई ऐसे अनछुए क्षेत्र हैं, जिनमें अपार क्षमताएं हैं। सरकार का काम इन संभावनाओं को तलाशने का मार्ग प्रशस्त करना है। **आईबीएसए** को सभी के लिए एक फायदेमंद अनुभव बनाने की हमारी साझा वचनबद्धता कारोबारी तथा व्यापारिक नेताओं की इस बैठक के रूप में अभिव्यक्त हुई है। एक दूसरे के बारे में समझबूझ और ज्यादा बढ़ाना तथा क्षेत्रीय, बहुपक्षीय और खासकर हम तीनों देशों के संदर्भ में मिलकर काम करने की आदत को प्रोत्साहित करना इस संबंध में काफी महत्वपूर्ण है। इसलिए, आज की यह बैठक **आईबीएसए** शिखर सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अब हम यह सुनने के इच्छुक हैं कि हमारे कारोबारी समुदाय के नेता क्या कहना चाहते हैं।

****